9. कौन बेहतर स्थिति में है?

एक बार एक प्रबंधन विकास कार्यक्रम में एक बहुत ही रोचक बात उठी, कौन बेहतर स्थिति में है? जो सब कुछ जानता है, या जो सब कुछ नहीं जानता है?

कक्षा का पहला जवाब था जो सब कुछ जानता है। लेकिन जल्द ही यह महसूस किया गया कि कथन एक कपोल कल्पना है जो व्यक्ति मानता है कि वह सब कुछ जानता है, मूर्खों की दुनियां में रहता है। तो क्या जो "सब कुछ नहीं जानता" वह बेहतर है? नहीं, वह बेवकूफी होगी। शायद वह व्यक्ति जो सब कुछ नहीं जानता है, वह केवल तभी बेहतर होता है जब वह यह भी जानता है कि वह सब कुछ नहीं जानता है, क्योंकि उसे अपनी ज्ञान सीमाओं के बारे में पता होगा और जब किसी ज्ञान की भी आवश्यकता होगी, तब वह उस कमी को पूरा करने की कोशिश करेगा । इसके लिए यह महत्वपूर्ण है कि व्यक्ति को उस व्यक्ति (व्यक्तियों) का पता होना चाहिए जो क्षेत्र में उस से अधिक जानते हैं/ विशेषज्ञ हैं।

यह विवेचन से एक महत्वपूर्ण संसाधन (resource) आवश्यकता पर बल देता है वह है **विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञों के साथ नेटवर्किंग की**, जिसे उत्पन्न और विकसित करने की आवश्यकता है। व्यवसाय / प्रबंधन जिम्मेदारियों को सही तरीके से निभाने के लिए अक्सर अलग अलग विषयों / क्षेत्रों में **विशिष्ट** ज्ञान की आवश्यकता पड़ जाती है, कभी कभी यकायक भी (जरूरी नहीं स्थिति संकट की ही हो)।

इस नेटवर्क संसाधन को समझबूझकर (consciously) और सक्रिय रूप से, विकसित करना, पेशेवर और गैर-पेशेवर प्रबंधकों दोनों के लिए समान रूप से, एक महत्वपूर्ण गतिविधि बन जाती है। इसका लाभ यह है कि किसी को भी सभी विषयों का विशेषज्ञ बनने की आवश्यकता नहीं है (केवल भविष्य में कभी प्रयोग करने के) । लेकिन आवश्यकता पड़ने पर पर्याप्त रूप से जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रासंगिक प्रश्न पूछने और नेटवर्क संसाधन में विशेषज्ञ के साथ बातचीत करने के लिए प्रश्न करना आना पर्याप्त है। संयोग, आवश्यकतनुसार और अधिक सटीक और जानकारी देने के लिए, विशेषज्ञों के पास एक अपना व्यावसायिक नेटवर्क संसाधन समूह भी होता है।

नेटवर्क संसाधन का तात्पर्य केवल विशेषज्ञों के नाम, पता और टेलीफोन नंबर की सूची नहीं है, बल्कि उन विशेषज्ञों के साथ घनिष्ठ संबंध हैं जो उत्तरदायी और भरोसेमंद व्यक्ति हैं। एक बार जब आप इसे विकसित कर लेते हैं, तो आप सभी ज्ञान प्राप्त करने और "सब कुछ जान/ कर लेने की आवश्यकता" की स्थिति से मुक्त हो जाते हैं। उस समय आपको कर्तव्यों का निर्वाहन संतोषजनक रूप से करने के लिए पर्याप्त ज्ञान और दूसरे आवश्यक संसाधन, तुरंत और कुशलता से मिल जायेंगे।